

कृत्प्रकाशं श्यावं वा तदधिकमासं नाम विद्यात् 15. WISE: pterygium. — 2) = अधिमासक सु०. 1, 303, 10. 2, 127, 6.

अधिमासक (von अधिमास) m. eine Krankheit der Kinnlade, eine von Speichelfluss begleitete schmerzhaft Anschwellung des Zahnfleisches in der Gegend des hintersten Backenzahns: कानव्ये पश्चिमे दत्ते महाब्जे-थो महाहजः । लालास्रावी कफकृतो विज्ञेयः सोऽधिमासकः ॥ सु०. 1, 304, 14. 15. 92, 5.

अधिमात्रम् (1. अधि + मात्रा) adv. in Bezug auf die Lautmaasse Māṇḍ. Up. 8.

अधिमास (1. अधि + मास) m. Schaltmonat MALAMĀSATATVA im ÇKDr.

अधिमुक्ति (von मुच् mit अधि) m. Vertrauen (buddh.) BURN. Intr. I, 268, N. 1.

अधिमुक्तिक (von अधिमुक्ति) m. Beiname des Mahākāla BURN. Intr. I, 543.

अधिमुक्ता m. Çākjamuni in einer von seinen 34 früheren Geburten (जातका) Vāṇḍi zu H. 233. Wenn die Lesart richtig sein sollte, eine ungrammatische Form von मुक्त् mit अधि.

1. अधियज्ञ (1. अधि + यज्ञ) m. das höchste Opfer: अधियज्ञो ऽहमेवात्र देहे BHAG. 8, 4. 7, 30 (vgl. u. अधिदैव).

2. अधियज्ञ (wie eben) adj. auf das Opfer bezüglich: अधियज्ञे ब्रह्म ज-पेत् M. 6, 83. अधियज्ञम् adv. in Bezug auf das Opfer ÇAT. Br. 14, 6, 7, 18. NIR. 11, 4.

अधियाग = 1. अधिकाङ्ग H. 767, Sch.

अधियोध (1. अधि + योध) m. ein in den vordersten Reihen stehender Kämpfer (?): न हि कोपयरीतानि कर्षवीर्योत्सुकानि च । भवति (mit hiatus) अधियोधानां मुखानि निरुते पतौ ॥ R. 6, 23, 28.

अधिरज्जु (1. अधि + रज्जु) adj. ein Strick mit sich führend, schlies- send, fesselnd: ऋणान्नो नर्णमर्त्तमाणो यमस्य लोके ऽधिरज्जुरापत् AV. 6, 118, 2.

अधिरथ (1. अधि + रथ) 1) m. a) Wagenlenker R. 5, 82, 20. — b) N. pr. eines Wagenlenkers (सूत), der König von Anga und Kārṇa's Pflege- vater war, MBH. 5, 4759. HARIV. 1709. VP. 446. LIA. I, 560. — 2) n. Wa- genlast: एतान्यग्रे नवतिर्नव त्वे आङ्कतान्यधिरथा सुकृत्वा RV. 10, 98, 10. 4. 9. अधिरथं यदज्ञपत्सुकृत्सम् 102, 2.

अधिराज् (1. अधि + राज् m. (nom. °ट्) Oberkönig MBH. im ÇKDr.

अधिराज (1. अधि + राज = राजन् m. Oberhaupt, Herrscher über Alle: मेघं चेतारमधिराजमक्रन् RV. 10, 128, 9. अधिराजो राजन्सु राजयति AV. 6, 98, 1. 9, 13, 24. ऋषीणां पुत्रो अधिराज एषः in dem Bruchstücke eines Liedes NIR. 8, 2. und ĀÇV. ÇR. 8, 14. राज्ञाम् ÇAT. Br. 5, 4, 2, 2. अग्रिभिर्ह- रुचे रामो लोकान्नाधिराजवत् R. 6, 86, 25. मुदितान्कोशलानेको यो भव्य- त्पधिराजवत् 2, 53, 11. पुरुषाधिराज, मृगा° RAGH. 2, 41. नागा° VIKR. 64, 12. — Vgl. अतिरधिराज.

अधिराजन् (1. अधि + राजन् m. Oberhaupt: सर्वज्ञत्रय (Varuṇa) TAITT. Br. 3, 1, 2, 9.

अधिराज्य (von अधिराज) n. 1) Oberherrschaft: अत्यन्यान्पृथिवीपाला- न्पृथिव्यामधिराज्यभाक् MBH. im ÇKDr. अधिराज्ये ऽभिषेको मे (Sita spricht) ब्राह्मणैः पतिना सह R. 6, 23, 17. 8. अधिराज्यश्री MAHĀV. 63, 9. लङ्काधिराज्य 93, 5. — 2) N. eines Landes VP. 188, N. 36. (v. l. °राष्ट्र, °वाज्य).

अधिराष्ट्र (1. अधि + राष्ट्र) n. Name eines Landes VP. 188, N. 36 (v. l. °राज्य, °वाज्य).

अधिरूक (1. अधि + रूक) adj. Goldschmuck an sich tragend: अथ् स्या योषणा मुही प्रतीची वशमृश्यम् । अधिरूकम् वि नीयते RV. 8, 46, 33.

अधिरोपण (vom causat. von रूक् mit अधि) n. das Aufsteigenlassen, Aufsetzen: सापि सेहे तदत्युग्रान्तसाशाधिरोपणम् sie liess es sich gefal- len, dass man sie auf solche Weise auf die Schulter des überaus schreck- lichen R. setzte VID. 313.

अधिरोहण (von रूक् mit अधि) 1) n. das Besteigen, mit dem Object componirt: पृष्ठाधिरोहण R. 5, 35, 29. सु०. 2, 144, 7. ÇAK. 96, 3, v. l. — 2) f. °णी Leiter AK. 2, 2, 17, v. l. für °रोहिणी.

अधिरोहिणी (von अधिरोहिन् und dieses von रूक् mit अधि) f. Leiter AK. 2, 2, 17. H. 1013.

अधिलोकम् (von 1. अधि + लोक) adv. in Bezug auf die Welten (पृ- थिवी, द्यौ, आकाश, वायु) ÇAT. Br. 14, 6, 7, 16. TAITT. UP. 1, 3, 1, 2.

अधिवक्त्र (von वच् mit अधि) adj. Fürsprecher, Beschützer, Tröster: त्रातारं वा तन्मोक्षामहे ऽवस्पर्तधिवक्त्रारमस्मयुम् RV. 2, 23, 8. स प्रो- वृत्ता मधवा नो ऽधिवक्ता 8, 85, 20. अधिं वोचदधिवक्ता प्रथमो देव्यो मि- षक् VS. 16, 5. RV. 1, 100, 19.

अधिवचन (1. अधि + वचन) n. Beiwort, Name, Benennung TAITT. 1, 117.

अधिवस्त्र (1. अधि + वस्त्र) adj. mit Gewändern bekleidet: यज्ञेभिरावृ- तो ऽधिवस्त्रा वधूरिव RV. 8, 26, 13.

अधिवार्क (von वच् mit अधि) m. Fürsprache, Schutz: तमिहनेषु कि- तेध्विवार्काय कृवते RV. 8, 16, 5. नमस्ते अधिवार्काय परावार्काय ते नमः AV. 6, 13, 2.

अधिवाज्य N. eines Landes VP. 188. (v. l. अधिराज्य, °राष्ट्र).

1. अधिवास (von वस्, वसति mit अधि) m. 1) Bewohner: यत्र देवानो पतितो ऽधिवासः MUND. UP. 1, 2, 5. सर्वभूताधिवासः ÇVETĀÇV. UP. 6, 11.

— 2) Wohnung, Wohnort, Sitz (auch in übertr. Bed.) TRIK. 3, 3, 442. H. an. 4, 324. MED. s. 46. शीताधिवासा जलौका सु०. 1, 40, 2. सर्वज्ञानाधि- वासाय वाल्मीकये R. Einl. 3. श्रीः कैरुभारिहृदैककृताधिवासा DEV. 4, 10. नदीसमुद्राम्बुयनाधिवासः JAVANEÇV. in Z. f. d. K. d. M. IV, 348. BHART. 1, 12.

2. अधिवार्स (von वस्, वस्ते mit अधि) m. Ueberwurf, Decke: अथैनावधि- वासेन संत्राणुवति ÇAT. Br. 13, 2, 8, 1. — Vgl. अधीवास.

3. अधिवास (von वासय्, वासयति mit अधि) m. das mit - Wohlgeruch - Erfüllen, Beduften, Beräuchern, = संस्क्रिया TRIK. 3, 3, 442. = संस्कारो धूपनादिभिः H. an. 4, 324. MED. s. 46. दिव्यगन्धाधिवासेन व्यजनेन INDR. 2, 17.

अधिवासन (wie eben) n. = 3. अधिवास, = संस्कारो गन्धमाल्याद्यैः AK. 2, 6, 2, 36. H. 637. सु०. 1, 171, 7. Verz. d. B. H. No. 897.

अधिवास्तूमि (1. अधिवास + भूमि) f. Wohnort: कृषीबलानामधिवास- भूमिः JAVANEÇVARA in Z. f. d. K. d. M. IV, 343.

अधिवाहन (von वह् mit अधि) m. N. pr. ein Sohn Anga's, der sonst Pāra u. s. w. genannt wird, VĀJU-P. im VP. 445, N. 13.

अधिविर्कतन (von कर्त् mit अधि + चि) n. das Abschneiden: आशसनं विशसनमथो अधिविर्कतनम् RV. 10, 85, 35.

अधिविद्यम् (von 1. अधि + विद्या) adv. in Bezug auf die Wissen- schaft TAITT. UP. 1, 3, 1—3.